सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 197 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 24 अगस्त, 2026

मूल्य ₹ 3/-

जीवन की लम्बाई नहीं, गहराई मायने रखती है।
-राल्फ वाल्डो इमर्सन

सिर्फ 2 दिन में खत्म हुआ मकाय... 7 | बिहार में राजद का जारी है... 3 | दस दिखाया, सोलह गटकाया... 2

राहुल की जेन जी गूंज पर बीजेपी का डिजिटल डांस?

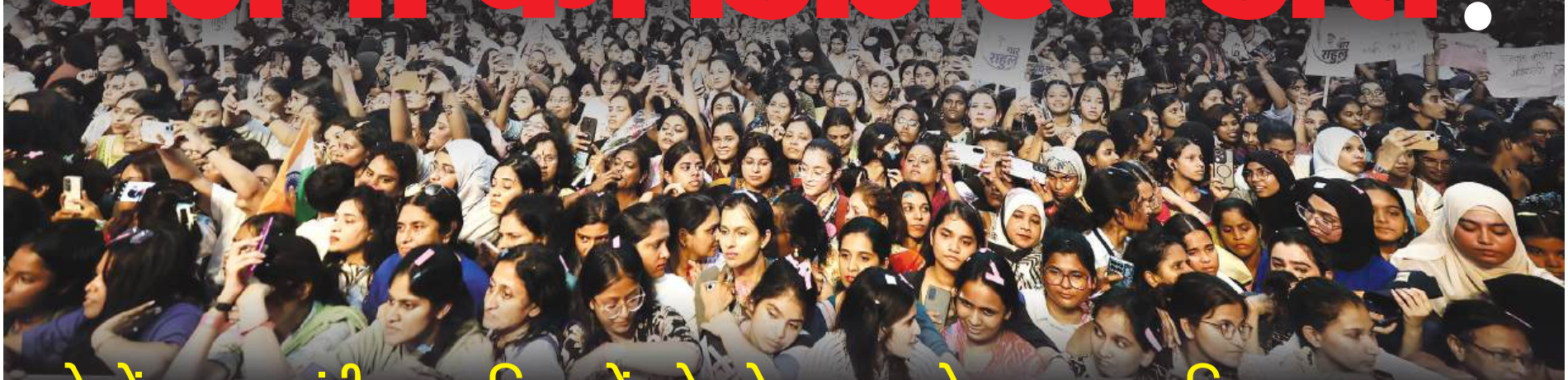

पुणे में राहुल गांधी का महिलाओं को फोकस करते हुए मनुस्मृति पर तगड़ा हमला

» बीजेपी की सात राज्यों के लिए आक्रामक जेन जी पालिसी

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति के पुराने अखाड़े में अचानक एक नई आवाज गूंजने लगी है। यह न संसद की घंटी है न चुनावी रैली का पारंपरिक शोर और न ही किसी नेता का घिसा पिटा भाषण। यह आवाज है उस पीढ़ी की जो टीवी से ज्यादा मोबाइल स्क्रीन पर राजनीति देखती है। भाषण से ज्यादा क्लिप शेयर करती है और नेता की पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस से ज्यादा उसकी तीस सेकंड की रील पर फैसला सुना देती है। और इसी नई राजनीतिक दुनिया के बीच राहुल गांधी ने देश की 70 करोड़ महिलाओं को फोकस में रखकर ऐसी पालिटिक्ल बीन बजाई जिसने बीजेपी को डिजिटल डांस करने के लिए मजबूर कर दिया।

जेन जी को फोकस करते हुए राहुल गांधी गैर राजनीतिक कार्यक्रम गूंज के जरिये अलग-अलग राज्यों के छात्रों से संवाद कर रहे हैं और उनके कार्यक्रम में हजारों की तादात में छात्र जुट रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि देश का राजनीतिक महौल बदल रहा है। राजनीतिक मुद्दा अब शिक्षा और रोजगार के इर्द गिर्द सेट हो रहा है। वर्ष 27 में देश के अहम राज्यों में विधानसभा चुनाव है जिनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। उत्तर प्रदेश से ही दिल्ली का रास्ता तय होता है यह बात राजनीतिक दलों को अच्छी तरह से मालूम हैं ऐसे में छात्रों के मुद्दों पर पालिटिकल माइलेज लेते राहुल गांधी को घेरने के लिए बीजेपी ने भी कमर कस ली है और नये अध्यक्ष नितिन नवीन ने सात राज्यों के लिए जेन जी को फोकस करते हुए बाकायदा एक पालिसी ही बना डाली है।

देश की सबसे बड़ी ताकत देश की 70 करोड़ महिलाएं

राहुल गांधी ने कहा कि बहुत से लोग अर्थव्यवस्था या सेना को भारत की सबसे बड़ी ताकत मानते हैं लेकिन उनकी नजर में देश की सबसे बड़ी शक्ति 70 करोड़ महिलाओं के सपने विचार और क्षमता हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में स्वाभाविक रूप से संवेदनशीलता सहानुभूति और करुणा अधिक होती है। मनुस्मृति जैसी व्यवस्थाएं महिलाओं को केवल बेटी-पत्नी या मां की सीमित पहचान में बांधने का प्रयास करती हैं। महिलाएं किसी पुरुष की नहीं होतीं आप केवल अपनी हैं। उन्होंने दावा किया कि देश में हर साल लगभग 4.5 लाख लड़कियां भ्रूण हत्या की शिकार होती हैं जबकि 80 प्रतिशत महिलाएं किसी न किसी रूप में उत्पीड़न का सामना करती हैं और 30 प्रतिशत महिलाओं को शारीरिक हिंसा झेलनी पड़ती है। देश में 10 महिलाओं में से करीब छह महिलाएं प्रत्यक्ष शारीरिक हमले या दुष्कर्म जैसी घटनाओं का सामना करती हैं।

पुणे में तो राहुल ने काट दिया गदर

राहुल गांधी ने पुणे के श्री शिवाजी प्रिपरेटरी मिलिट्री स्कूल कॉलेज ग्राउंड में आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम में महिलाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए मर्दवादी सोच पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को दूसरों पर निर्भर बनाकर रखना मनुस्मृति की मानसिकता का हिस्सा है और महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए आगे आना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि महिलाएं किसी की संपत्ति नहीं हैं और वह सिर्फ खुद की हैं। उन्होंने युवतियों से सामाजिक बंधनों को तोड़कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। जेन जी की बड़ी संख्या में मौजूद छात्राओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि उनका यह कार्यक्रम राजनीति पर नहीं बल्कि युवाओं के विचारों शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर संवाद के लिए है। कार्यक्रम के दौरान कई छात्राओं ने मंच पर आकर अपनी व्यक्तिगत चुनौतियों और अनुभवों को भी साझा किया।

अगला चुनाव पोस्टर से नहीं जेन जी के दिमाग में होगा

राहुल ने सिर्फ राजनीतिक बीन नहीं बजाई है बल्कि उस डिजिटल जंगल में सुर छेड़ दिया है जहां अब हर पार्टी को पता है कि अगला चुनाव सिर्फ मैदानों रैलियों और पोस्टरों पर नहीं लड़ा जाएगा। चुनाव लड़ा जाएगा मोबाइल पर रील में मीम में कैंपस में और उस जेन जी के दिमाग में जो शायद पहली बार यह तय कर रहा है कि राजनीति उसके लिए बोरिंग नहीं बल्कि उसके भविष्य का सीधा सवाल है। और शायद यही वजह है कि राहुल गांधी की हर नई युवा पहल के बाद बीजेपी की प्रतिक्रिया भी खबर बन रही है। क्योंकि कभी कभी राजनीति में सबसे बड़ी खबर वह नहीं होती जो नेता कहता है। सबसे बड़ी खबर वह होती है कि उसके कहने के बाद उसका विरोधी क्या करने लगता है।

राजनीतिक चर्चा नहीं करेंगे

कार्यक्रम की शुरुआत में राहुल गांधी ने कहा कि वह राजनीतिक चर्चा नहीं करेंगे बल्कि युवाओं के विचारों और उनकी अपेक्षाओं को समझने का प्रयास करेंगे। भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है और युवाओं को अपनी क्षमता पहचानकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा युवाओं का भविष्य सामाजिक बदलाव महिलाओं की भूमिका और आज की पीढ़ी के सामने मौजूद चुनौतियों जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान आदर्श नारी की अवधारणा पर भी बातचीत हुई और समाज में महिलाओं की बदलती भूमिका योगदान तथा उनके प्रति बदलती सोच पर विचार साझा किए गए।

जेन जी के सवाल पर बीजेपी इतनी सक्रिय क्यों दिखाई देने लगी है?

राहुल गांधी पिछले कुछ समय से अपनी राजनीति का फोकस लगातार युवाओं छात्रों और महिलाओं की तरफ मोड़ते दिखाई दे रहे हैं। कैंपस में पहुंचना छात्रों से सीधे बात करना बेरोजगारी और भविष्य की चिंता को राजनीतिक बहस के केंद्र में लाना यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि उस राजनीति की तरफ कदम है जहां नेता मंच पर खड़ा होकर भाषण नहीं देता बल्कि उस वोटर के बीच जाकर बैठता है जो अभी तक राजनीति को अपने फोन की स्क्रीन से देख रहा था। राहुल अब उस नाराज परेशान और भविष्य को लेकर बेचैन युवा के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़े हो रहे है जिसे नौकरी चाहिए शिक्षा चाहिए अवसर चाहिए और सबसे ज्यादा चाहिए कोई ऐसा नेता जो उसकी भाषा समझता हो।

यही से बीजेपी की कहानी शुरू होती है

वह बीजेपी जिसने वर्षों तक सोशल मीडिया की राजनीति को विपक्ष से कहीं बेहतर तरीके से समझा अब उसी डिजिटल मैदान में नई तैयारी करती दिखाई दे रही है। जेन जी तक पहुंचने की बात हो रही है। युवाओं के लिए अलग पहुंच की जरूरत महसूस की जा रही है। सवाल इसलिए उठता है कि आखिर यह अचानक क्यों हो रहा है। क्या राजनीति का मौसम बदल रहा है या फिर राहुल गांधी ने उस जमीन पर कदम रख दिया है जिसे बीजेपी अब तक अपनी मजबूत डिजिटल ताकत मानती रही बीजेपी इस कहानी में अभी तक सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत थी। लेकिन राहुल गांधी की टीम और उनके नये प्रोग्राम ने बीजेपी की इस ताकत को कम करना शुरू कर दिया है।

सात राज्यों में भाजपा का मिशन 27, जेन जी पर खास नजर

वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा ने चुनावी मैदान में उतरने से पहले अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, गोवा, गुजरात और हिमाचल प्रदेश-इन सात राज्यों के लिए नई संगठनात्मक और चुनावी रणनीति तैयार की गई है। इस पूरी रणनीति का सबसे दिलचस्प पहलू है भाजपा का जेन जी यानी नई युवा पीढ़ी पर बढ़ता फोकस। पार्टी की योजना कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक सीधे पहुंच बनाने की है। इसके लिए विशेष यूनिवर्सिटी आउटरीच और युवा संवाद कार्यक्रमों पर जोर दिया जाएगा। यानी भाजपा अब सिर्फ रैलियों और पारंपरिक राजनीतिक कार्यक्रमों के भरोसे नहीं रहना चाहती, बल्कि उस युवा तक पहुंचने की तैयारी में है, जिसकी राजनीति अब मोबाइल स्क्रीन, सोशल मीडिया और कैंपस की बहसों से भी तय होती है। रणनीति का दूसरा बड़ा आधार बूथ सशक्तिकरण है। हर बूथ को चुनावी जीत का केंद्र बनाने के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम तैयार करने की योजना है। इसके साथ ही सामाजिक समीकरणों पर माइक्रो मैनेजमेंट किया जाएगा। ओबीसी, दलित और युवा मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा स्तर पर डेटा आधारित फीडबैक और लगातार मॉनिटरिंग की रणनीति अपनाई जाएगी।

दस दिखाया, सोलह गटकाया, यही है भाजपा की पुलिस की माया : अखिलेश

» सपा प्रमुख का सीएम योगी सरकार की यूपी पुलिस पर करारा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम ने योगी सरकार की यूपी पुलिस पर करारा प्रहार किया है। अखिलेश यादव ने पुलिस पर बरामद सोने की ईंटें छिपाने का आरोप लगाते हुए जांच पर सवाल उठाए हैं। बता दें उत्तर प्रदेश के कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पुलिस वाहन को टक्कर मारने वाली एक कार की तलाशी के दौरान 10.26 किलोग्राम सोना बरामद किया गया है।

स्टेट बैंक के मूल्यांकनकर्ता ने इसके 24 कैरेट होने की पुष्टि की है और अंतरराष्ट्रीय तस्करी की आशंका में मामला सीमा शुल्क विभाग को सौंपा गया है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15 करोड़ 39 लाख रुपये है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख एवं कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने पुलिस पर बरामद सोने की कुछ ईंटें गायब करने का आरोप लगाया है।अखिलेश यादव ने एक्स पर आरोप लगाया कि पुलिस ने 16 सोने की ईंटें गायब कर दीं। उन्होंने कहा, दस दिखाया, सोलह गटकाया, 'भाजपा' की पुलिस की माया। यादव ने कहा, कन्नौज में पुलिस की गाड़ी से हुई दुर्घटना में सोने की तस्करी का खुलासा हुआ है।

नेपाल से गोरखपुर और गोरखपुर से दिल्ली, यही है डबल इंजन सरकार

डबल इंजन सरकार के धंधे का असली रास्ता सूत्रों के अनुसार टक्कर लगने के बाद जब कार सवार भागने लगे तो पुलिस ने पीछा करके उन्हें पकड़ा और तलाशी के दौरान गाड़ी से एक-एक किलो के 26 सोने के बिस्कुट पकड़े लेकिन दिखाए गए केवल 10 किलो के बिस्कुट। अब ध्यान ये रखना है कि कहीं पुलिस दिखाए गए बिस्कुटों को भी 'पीली धातु' कहकर सरकारी हिसाब में दर्ज न कर ले और बाद में पीतल के बिस्कुट से बदलकर ये सारे सोने के बिस्कुट भी गटक न जाए।' नेपाल से गोरखपुर और गोरखपुर से दिल्ली, यही है डबल इंजन सरकार के धंधे का असली रास्ता।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुआ बरामद

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि शनिवार को सकरावा के थाना प्रभारी भागमल सिंह की सरकारी गाड़ी को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 171.200 के पास एक कार ने टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो दुर्घटनाग्रस्त सरकारी वाहन के करीब 10मीटर आगे टक्कर मारने वाली कार खड़ी मिली जिसमें दो लोग सवार थे। पुलिस अधीक्षक के बताया कि पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान महराजगंज निवासी संदीप जायसवाल और नेपाल निवासी सरोज पंत के रूप में बताई। संदेह होने पर कार की तलाशी ली गई, जिसमें एक बैग से सोने की 10 ईंटें मिलीं। दोनों कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस नहीं दिखा सके। पुलिस ने भारतीय स्टेट बैंक के अधिकृत स्वर्ण मूल्यांकनकर्ता से जांच कराई, जिसमें इसके 24 कैरेट सोना होने की पुष्टि हुई।

आप सांसद संजय सिंह ने अखिलेश यादव से की मुलाकात

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की की। मुलाकात की तस्वीर एक्स पर शेयर करते हुए संजय सिंह ने कहा कि संविधान और आरक्षण के लिए भाजपा सबसे बड़ा खतरा है। भाजपा ने आरक्षण खत्म करने को लेकर फिर से मुहिम तेज कर दी है। इस कोशिश को नाकाम करना ही होगा। 69 हजार शिक्षक भर्ती में योगी सरकार ने पिछड़ों का हक मारा है। सड़क से लेकर संसद और सुप्रीम कोर्ट तक उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ी जाएगी। ऐसे तमाम मुद्दों पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।

'पर्चियों से मुख्यमंत्री पर्चियों से ही काम'

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा का भाजपा सरकार पर बड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अजमेर। अजमेर के जवाहर रंगमंच पर रविवार को प्रदेश स्तरीय जाट प्रतिभा समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा, खेल, प्रशासन, सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। बड़ी संख्या में समाज के लोग भी समारोह में शामिल हुए।

डोटासरा ने महंगाई के मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोग महंगाई से मर रहे हैं और टूट रहे हैं। किसान, नौजवान और गृहिणियां परेशान हैं। चीनी, तेल और दाल सहित रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि जनता से जुड़े महंगाई के मुद्दे पर चर्चा क्यों नहीं हो रही। डोटासरा ने कहा कि महंगाई पर चर्चा जरूरी है या यूसीसी पर चर्चा जरूरी है? उन्होंने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि सरकार को जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए डोटासरा ने कहा कि लोगों ने उम्मीद के साथ भाजपा को सत्ता सौंपी थी, लेकिन अब जनता निराश है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, पर्चियों से मुख्यमंत्री बने और पर्चियों से ही काम हो रहे हैं। यहां का कोई विजन नहीं है।

उन्होंने भाजपा सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि ढाई साल के कार्यकाल में सरकार ऐसी एक जनहित योजना बताए, जैसी योजनाएं कांग्रेस सरकार के समय लागू की गई थीं। डोटासरा ने आरोप लगाया कि सरकार आपसी खींचतान में उलझी हुई है। अजमेर के स्थानीय भाजपा नेताओं और दो बार मेयर रह चुके नेताओं के भाजपा छोड़ने को लेकर पूछे गए सवाल पर डोटासरा ने कहा,वो तो सभी जाएंगे, अब तो पाप का घड़ा भर चुका है। उन्होंने कहा कि अब देखना है कि क्या बचता है और क्या नहीं।

पाठशालाओं को ढूंढने वाले को देंगे एक लाख रुपये : संजय सिंह

» आप बोली -यूपी में अब स्कूल चोरी, जमीन से गायब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में स्कूल चोरी के एक अद्भुत और अनोखे मामले का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि जौनपुर जिले में पांच ऐसे प्राथमिक विद्यालय हैं, जिनका जमीन पर कोई अता-पता नहीं है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में इन्हें ऑपरेशनल दिखाया जा रहा है।

आप सांसद ने खुली चुनौती देते हुए घोषणा की कि जो कोई भी इन पांच गायब स्कूलों में से एक को भी खोज कर दिखा देगा, उसे वे अपनी तनख्वाह से 1 लाख रुपये का नकद इनाम देंगे। कागजों में चल रहे, जमीन पर गायब, जौनपुर के 5 भूतिया स्कूल संजय सिंह ने जौनपुर के उन विद्यालयों के नाम सार्वजनिक किए जो सरकारी पोर्टल पर तो

मौजूद हैं, लेकिन मौके पर उनका अस्तित्व ही खत्म हो चुका है-प्राथमिक विद्यालय ढालगर टोला, प्राथमिक विद्यालय मिसिरपुर कन्या, कंपोजिट विद्यालय गदन अर्ज़नी,प्राथमिक विद्यालय उर्दू बाज़ार, प्राथमिक विद्यालय बाग हासिम। आप सांसद संजय सिंह ने नगर शिक्षा अधिकारी की चिट्ठी दिखाते हुए कहा कि इन स्कूलों की बिल्डिंग का पता नहीं है और जमीन स्वामियों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा, योगी सरकार में चंदा चोरी, जमीन चोरी और चीनी चोरी के बाद अब स्कूल चोरी का नया मॉडल सामने आया है। यूडायस पोर्टल पर ये स्कूल चल रहे हैं, लेकिन हकीकत में न वहां टीचर हैं, न बच्चे और न ही बिल्डिंग।

आरक्षण विरोधी तत्वों को संरक्षण न दें सरकारें : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- सस्ती राजनीति से बचें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एससी, एसटी और ओबीसी समाज को संविधान में दिए गए आरक्षण के विरोध में हाल में हुए प्रदर्शन और आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जाना चाहिए, जिससे समतामूलक समाज और विकसित एवं सम्मानित देश बनाने के संवैधानिक प्रयासों को आघात पहुंचे।

मायावती ने कहा कि सदियों से जातिवाद की अमानवीयता का शिकार रहे एससी, एसटी और ओबीसी समाज के लिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के कथन का हवाला देते हुए कहा कि जातिवाद का परित्याग ही सबसे बड़ी देशभक्ति है। ऐसे में लोगों को सही देशभक्ति का परिचय देना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि आर्थिक आधार पर

आरक्षण की मांग के बजाय सरकारों को गरीबी उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए। केंद्र और राज्य सरकारें गरीबी उन्मूलन की योजनाओं पर हर वर्ष बड़ी राशि खर्च करती हैं, लेकिन भ्रष्टाचार और सरकारी व्यवस्था की कमियों के कारण जरूरतमंदों तक उसका पूरा लाभ नहीं पहुंच पाता। मायावती ने आर्थिक आधार पर लागू आरक्षण की व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इसका अपेक्षित लाभ गरीब सवर्ण परिवारों को नहीं मिल पा रहा है और इसमें छलावा अधिक दिखाई देता है।

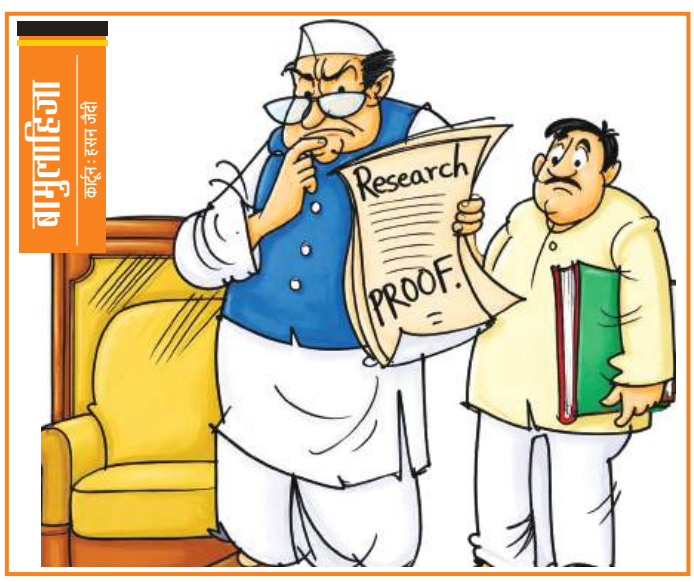

सरकार नहीं अब हनुमानजी पर भरोसा : अजय राय

» कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वांचल प्रभारी अभिषेक दत्त तथा प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश सिंह रविवार को रामनगरी पहुंचे।इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि उन्होंने हनुमानजी से देश और प्रदेश में अत्याचार एवं अन्याय के खिलाफ कार्रवाई की प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें सरकार पर नहीं, बल्कि हनुमानजी पर भरोसा है। हनुमानजी अपनी गदा उठा कर चढ़ावा चोरों का फैसला करें।

प्रदेश अध्यक्ष ने चढ़ावा चोरी के मामले में भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए

कहा कि चढ़ावे की चोरी के आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने राम मंदिर में सीईओ की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए धर्माचार्यों की नियुक्ति की मांग की। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को व्यापार का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में गठबंधन के सवाल पर अजय राय ने कहा कि इस संबंध में अंतिम फैसला कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा, लेकिन कांग्रेस भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए पूरी मजबूती से संघर्ष करेगी। इन नेताओं ने हनुमानगढ़ी तथा रामजन्मभूमि पहुंच दर्शन-पूजन किया।

स्वागत करने वालों में पूर्व जिलाध्यक्ष रामदास वर्मा, पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्र, जिला प्रवक्ता शीतला पाठक, सेवादल जिला अध्यक्ष फ्लावर नकवी, सेवा दल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्र, अनिल तिवारी, अश्वनी सिंह मधुर, वेद सिंह कमल, रुद्रप्रताप सिंह, धर्मेंद्र सिंह फास्टर, सुरेंद्र प्रताप सिंह सैनिक, धीरेंद्र सिंह बबलू, भीम शुक्ला, रणजीत सिंह, राम सागर रावत, विवेक शर्मा, अशोक शर्मा, मोहम्मद आमिर, डा. विनोद गुप्त आदि सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने बढ़ती महंगाई, चीनी एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा।

बिहार में राजद का जारी है प्रहार

नेता प्रतिपक्ष ने सीएम व सरकार को घेरा

» बोले- बिहार गंभीर आर्थिक संकट में

» राबड़ी को लेकर रोहिणी आचार्य का जीतन राम मांझी को नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजद पूरे तेवर व जोश में है। जहां वह अपने संगठन को मजबूत करने में जुटी है। वहीं राजद नेता तेजस्वी यादव व रोहिणी आचार्य के तेवर और तीखे हो गए है। जहां नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एनडीए सरकार व सीएम सम्राट चौधरी पर हमलावर हैं वहीं राजद सुप्रीमों की बेटी रोहिणी एनडीएम के सहयोगियो को घेरने में जुटी हुई हैं। तेजस्वी ने कहा बिहार इकॉनमी भारी संकट में है उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा राज्य का पैसा कहां जा रहा। वें बोले बिहार सरकार का खजाना खाली है। राज्य गंभीर आर्थिक संकट में है। आखिर बिहार का पैसा कहां जा रहा है। इन सारे सवालों के साथ तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट पर इकॉनमी बम फोड़ दिया है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि बिहार की राजकोषीय स्थिति बेहद दयनीय और चिंताजनक हो गई है। राज्य भारी कर्ज के बोझ तले दब चुका है और कुल सार्वजनिक ऋण में चार गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। उधर सिंगापुर में रहने वाली लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को बहुत ही सख्त संदेश देते हुए एक नसीहत दी है। रोहिणी आचार्य ने कहा है कि मेरे लिए मेरे माता- पिता से बढ़ कर इस दुनिया में कोई और नहीं है। मेरे माता-पिता पर अगर कोई अभद्र- अमर्यादित टिप्पणी करेगा तो मेरी तरफ से उसे जवाब बिल्कुल वैसी ही भाषा में मिलेगा। रोहिणी ने कहा है कि वो भी जिस भाषा में टिप्पणी की गयी होगी। बीजेपी पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा के लोग केवल बांटने की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि देश की हालत पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। हर परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है, बेरोजगारी और महंगाई बढ़ रही है, लेकिन इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार में छात्रों पर एके -47 से गोलियां चलाई जा रही हैं और इस मुद्दे पर सभी लोग मौन हैं। उन्होंने बिहार में कथित डस्टबिन घोटाले का भी जिक्र किया और कहा कि इस पर बोलने वाला कोई नहीं है।

विपक्ष को छोड़िए, अब मंत्री ही पुलिस पर वसूली का आरोप लगा रहे

राजद नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव शुक्रवार को दरभंगा पहुंचे। तेजस्वी यादव ने यामाहा शोरूम में मैनेजर फैज की हत्या के बाद उनके परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया। परिवार से मिलने के बाद मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री खुद आपराधिक छवि के व्यक्ति हैं और उन पर हत्या के चार मुकदमे चल रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे में बिहार की जनता उनसे क्या उम्मीद कर सकती है। तेजस्वी ने दावा किया कि बिहार में शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता है, जब अपराध की घटनाओं में सैकड़ों राउंड गोलियां नहीं चलती हों और हत्याएं नहीं होती हों। उन्होंने कहा कि वे अखबारों में रोज इतनी हत्या की खबरें देखते हैं कि ऐसा लगता है जैसे अखबार का रंग भी लाल हो गया है।तेजस्वी यादव ने बिहार पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आजकल बिहार में पुलिस थानों और जेलों में भी लोगों की हत्या हो रही है। गायघाट की घटना का हवाला देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस नशे में धुत होकर आम लोगों पर गोली चला देती है। संदिग्ध मौत का भी जिक्र किया। तेजस्वी ने कहा कि अब तो बिहार में पुलिस जेल और थाने में ही हत्या कर देती है।

सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के भुगतान सामाजिक सुरक्षा पेंशन, और विकास कार्यों के लिए समय पर पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं : तेजस्वी

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि बिहार को गंभीर आर्थिक संकट की ओर धकेला जा रहा है। उनके मुताबिक, राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो गई है कि सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के भुगतान, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, ठेकेदारों के बकाये और विकास कार्यों के लिए समय पर पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं हो रही है।

जीतन राम मांझी के बयान पर बवाल

उधर, लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी को लेकर हाल में जीतन राम मांझी ने तेजस्वी यादव की तस्वीर के साथ एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने लालू यादव और राबड़ी देवी का नाम लिया था। लेकिन जीतन राम मांझी पूर्व में क्या टिप्पणी कर चुके हैं, ये तो रोहिणी आचार्य ही बता सकती हैं। तेजस्वी यादव की जुबान फिसलने और मांझी को श्रद्धांजलि दिए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर लिखा था कि नशा शराब में होती तो नाचती बोतल। लगता है बाबू साहब का रात वाला उतरा नहीं था इसलिए मुझे श्रद्धांजलि दे रहें हैं। अगर हालात नहीं सुधरें तो आने वाले वक्त में ये जनाब जीते जी अपने पिता लालू जी एवं राबड़ी जी को भी श्रद्धांजलि दे देंगें। नशा कुछ भी करा सकता है।

मेरे माता- पिता से अभद्र व्यवहार बर्दाश्त नहीं : रोहिणी

हाल में माउंटेन मैन दशरथ मांझी की पुण्यतिथि के दौरान गलती से तेजस्वी यादव ने जीतन राम मांझी को श्रद्धांजलि अर्पित कर दिया था। उसके बाद सोशल मीडिया पर आरोप- प्रत्यारोप का सिलसिला चल पड़ा था। उसी संदर्भ में अब लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने जीतन राम मांझी को तीखी नसीहत दी है। रोहिणी आचार्य ने आगे एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि जीतन राम मांझी जी ने लालू जी और राबड़ी देवी जी के बारे में

किसी के उस बयान को संदर्भ में रख कर अभद्र टिप्पणी की थी। जिस बयान से लालू जी और राबड़ी देवी जी का कोई लेना-देना और सरोकार नहीं था। मांझी जी ने विषय से भटक कर बेवजह लालू जी और राबड़ी देवी पर पूर्वाग्रह से ग्रसित हो कर बेहद ओछी टिप्पणी की, तो मेरी तरफ से एक बेटी होने के नाते उन्हें माकूल जवाब दिया जाना लाजिमी था। मैं भाषा की मर्यादा का ख्याल रखना भी बखूबी जानती हूं और उनकी मर्यादा का ख्याल भी रखती हूं, जो अपनी बात मर्यादा के दायरे में रह कर रखा करते हैं।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड पर भी असर

उन्होंने यह भी दावा किया कि छात्रों को मिलने वाले स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की राशि घटाई गई है और छात्रवृत्ति को समाप्त किया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और एनडीए सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार के पास व्यय प्रबंधन, ऋण प्रबंधन और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने की कोई स्पष्ट समझ और दीर्घकालिक योजना नहीं है।

मंत्री मदन सहनी के वसूली के आरोप पर सरकार को घेरा

तेजस्वी यादव ने मंत्री मदन सहनी के बयान को लेकर भी सरकार पर हमला बोला। लहेरियासराय थाना क्षेत्र में पुलिस के दबाव में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले के बाद मंत्री मदन सहनी ने पुलिस पर वसूली का आरोप लगाया था। मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, विपक्ष को छोड़िए, अब सरकार के मंत्री ही पोल खोल रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब मंत्री की बात ही नहीं सुनी जा रही और मामले की जांच भी नहीं हो रही तो ऐसे मंत्री के सरकार में रहने का क्या फायदा है। तेजस्वी ने कहा कि मंत्री को यह बताना चाहिए कि कौन पुलिसकर्मी या अधिकारी घूस मांग रहा है और उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि सिर्फ बात करने या झाल बजाने से काम नहीं चलेगा, कार्रवाई करनी होगी।

लालू की बेटी मंत्री पर खूब बरसीं

अब सवाल उठता है कि क्या मांझी की उसी टिप्पणी का जवाब रोहिणी आचार्यने दिया है। रोहिणी आचार्य ने आगे लिखा है कि रही बात कल से मीडिया के कुछ प्लेटफॉर्म्स पर चलायी जा रही एक बिल्कुल ही बेसिर- पैर के नरेटिव की, जिसमें कहा जा रहा है कि मैं किसी के बचाव में खड़ी हूं या किसी का बचाव कर रही हूं।.. तो इस संदर्भ में मैं ये बिल्कुल ही स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि मैं पल- पल अपनी राय बदलने वालों में से नहीं हूं। मेरे लिए जो गलत था या है, वो गलत ही था और रहेगा। चाहे वो कोई हो.. मैं अपने स्टैंड , अपनी राय , अपने विचार पर दृढ़ता से कायम रहने वालों में से हूं और आगे भी ऐसे ही रहने वाली हूं। रोहिणी के इस पोस्ट के बाद एक नया सियासी विवाद शुरू हो गया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एनटीए को फिर से अर्जित करना होगा भरोसा

इतने बदलावों के बाद भी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के रवैये में सुधार नहीं हो रहा है। परीक्षा के प्रश्न पत्र में गल्तियों से फिर उसकी कलई खुली। कुल मिलाकर परीक्षा व्यवस्था में बदलाव के प्रयास सिर्फ प्रशासनिक फेर-बदल से नहीं सुधरेंगे। बल्कि यह उस भरोसे को बहाल करने की कोशिश करनी होगी जिस पर देश की करोड़ों युवा प्रतिभाओं का भविष्य टिका है। विभिन्न परीक्षाओं में प्रश्नपत्र तैयार करने वाली पुरानी टीम के करीब 600 प्रोफेसर, शिक्षक और विशेषज्ञों को बदलकर नई टीम बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन अब सवाल केवल टीम बदलने का नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था को जवाबदेह, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने का है। एनटीए का गठन इस उद्देश्य से किया गया था देश में प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन के लिए एक ऐसी आधुनिक संस्था विकसित हो, जो परीक्षा व्यवस्थाओं की कमियों को दूर कर सके। एनटीए से उम्मीद थी कि वह तकनीक, विशेषज्ञता और मजबूत प्रक्रियाओं के जरिये परीक्षाओं में मानवीय हस्तक्षेप और अनियमितताओं को न्यूनतम करेगी। एनटीए को भरोसा फिर से अर्जित करना होगा।

लेकिन बीते कुछ समय में पेपर लीक, तकनीकी गड़बड़ियों, प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता और परीक्षा संचालन को लेकर उठे सवालों ने एनटीए की साख को चोट पहुंचाई है। हाल में यूजीसी नेट के तीन प्रश्नपत्रों में गड़बडियों के बाद परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय इस चिंता को और गंभीर बनाता है। इस पर सवाल उठने का मतलब, हमारी पूरी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होना है। सरकार ने एनटीए के आंतरिक ढांचे की समीक्षा के बाद बड़े बदलावों के संकेत दिए हैं। यह स्वागत योग्य है, लेकिन सुधार की प्रक्रिया केवल अधिकारियों और विशेषज्ञों की अदला-बदली तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सबसे पहले यह पता लगना चाहिए कि गड़बड़ियां आखिर हुई क्यों? प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उसकी समीक्षा, मॉडरेशन, प्रिंटिंग, डिजिटल सुरक्षा, परीक्षा केंद्र तक पहुंच और परीक्षा के बाद मूल्यांकन तक हर स्तर की स्वतंत्र जांच जरूरी है। जहां लापरवाही या मिलीभगत सामने आए, वहां जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। परीक्षाओं की विश्वसनीयता का अर्थ केवल पेपर लीक रोकना नहीं है। इसका अर्थ है कि हर अभ्यर्थी को यह भरोसा हो कि उसे समान अवसर मिला है और प्रश्नपत्र निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण तथा त्रुटिरहित है। एनटीए को अपनी कार्यप्रणाली में ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें विशेषज्ञों का चयन पारदर्शी हो, प्रश्नपत्रों की कई स्तरों पर गोपनीय समीक्षा हो और तकनीकी सुरक्षा को लगातार परखा जाए। साथ ही, शिकायतों के निवारण के लिए भी स्पष्ट और समयबद्ध व्यवस्था होनी चाहिए। यह सुधार एनटीए के लिए अवसर भी है।

“ विभिन्न परीक्षाओं में प्रश्नपत्र तैयार करने वाली पुरानी टीम के करीब 600 प्रोफेसर, शिक्षक और विशेषज्ञों को बदलकर नई टीम बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन अब सवाल केवल टीम बदलने का नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था को जवाबदेह, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने का है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र को संबल देता है अहिंसक प्रतिरोध

विश्वनाथ सचदेव

जानवर सोचते हैं या नहीं, पता नहीं, पर मनुष्य की एक पहचान यह मानी जाती है कि यह सोचता है। फ्रांसीसी विचारक डेकार्ते ने कहा था, 'मैं सोचता हूं, इसलिए मैं हूं।' यह ज़रूरी नहीं कि फ्रांसीसी विचारक की इस बात से हम सहमत हों ही, पर यह जरूरी है कि इस सोचने का अर्थ और महत्व समझा जाए। आज़ादी की 80वीं वर्षगांठ पर लाल किले की प्राचीर से किए गए प्रधानमंत्री के उद्बोधन में 'दिमागी नक्सलियों' के उल्लेख के बाद देश में एक विवाद-सा चल गया है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा था कि देश 'हथियारी नक्सलियों से तो मुक्त हो चुका है, पर दिमागी नक्सलियों से मुक्त होना अभी बाकी है।' हालांकि उन्होंने यह तो नहीं बताया कि दिमागी नक्सली वे किसे कह रहे हैं, पर यह अवश्य कहा कि इन दिमागी नक्सलियों को चुन-चुनकर समाप्त करना होगा।

वैसे, इस तरह के विशेषण प्रधानमंत्री जी पहले भी देते रहे हैं। कभी उन्होंने 'अर्बन नक्सली' कहकर एक विशेष सोच वाले लोगों को देश का दुश्मन कहा था, कभी 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कभी 'अराजकतावादी' कहकर। नक्सलवाद की बात देश की राजनीति में साठ के दशक में सामने आई थी। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में एक गांव है नक्सलबाड़ी। वर्ष 1967 में वहां स्थानीय किसानों और भूस्वामियों के बीच भूमि-अधिकारों को लेकर एक सशस्त्र संघर्ष हुआ था, जिसका नेतृत्व कम्युनिस्ट विचारधारा में विश्वास करने वाले चारु मजूमदार और कानू सान्याल कर रहे थे। ये दोनों नेता यह मानते थे कि 'न्यायहीन दमनकारी वर्चस्व को सशस्त्र क्रांति से ही समाप्त किया जा सकता है।' एक अर्से तक यह सोच बंगाल, उड़ीसा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश आदि में पनपती रही, पर गांधी के भारत को यह स्वीकार नहीं था। यह देश पीड़ितों के दमन को तो समाप्त करना चाहता है, पर हथियारों के बल पर नहीं। प्रधानमंत्री जिन हथियारी नक्सलियों के खात्मे की बात कर रहे हैं, वह यही नक्सली थे। सशस्त्र क्रांति में विश्वास करने वाले लोगों को नक्सलबाड़ी गांव के नाम से नक्सली कहा गया। देश के गृहमंत्री का दावा है कि लगभग आधी सदी के संघर्ष के बाद आज देश में ये हथियारी नक्सली लगभग समाप्त हो गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एक सीमा तक इस सफलता का श्रेय ले सकती है, पर दलितों, आदिवासियों के शोषण के विरुद्ध सोच को समाप्त करना न तो संभव है, न ही उचित। शोषण कहीं भी हो, किसी भी रूप में हो, उसका विरोध होना ही

चाहिए। लेकिन इसके लिए हथियारों का सहारा लेना उचित नहीं कहा जा सकता। विषमता के विरुद्ध और समानता के पक्ष में खड़ा होना गलत नहीं है। राष्ट्रपिता बापू हमें रास्ता दिखा गए थे। अहिंसा के उस रास्ते पर चलकर हमने आजादी ली, सारी दुनिया ने गांधी के इस चमत्कार को देखा और सराहा। यदि आज हम हिंसा की राह पर चलकर सफलता पाने की सोच का विरोध करते हैं, तो इसे दुनिया को भारत की एक देन के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। इसीलिए जब हिंसक तरीकों से कुछ करने या पाने की हिमायत होती है, तो भारत की जनता स्वाभाविक रूप से उसकी भर्त्सना करती है। यह इस देश का मानस है। बुद्ध, महावीर और गांधी जैसे महापुरुषों ने अहिंसा की इस सोच को खाद और पानी दिया है। इसलिए जब उपलब्धियों की इस राह के पक्ष में कोई बात कही जाती है, तो भारत की जनता का समर्थन अनायास ही उसे मिल जाता है। पर यहीं पर इस बात का भी ध्यान रखा जाना जरूरी है कि हमारा भारत विवेक और विमर्श की नीति में विश्वास करता है। जिस जनतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकारा है, उसमें अपनी बात कहने के अधिकार के साथ-साथ दूसरे के अपनी राय रखने के अधिकार को भी स्वीकार किया गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन में हमारे प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सलियों को समाप्त करने की जो बात कही है, उसमें विचार की स्वतंत्रता और अधिकार की समाप्ति की बात के लिए कोई स्थान नहीं है। विचार की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा हर कीमत पर होनी चाहिए। नक्सलवाद के हिंसक तरीके का समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन शोषण और दमन के विरुद्ध आवाज उठाने के अधिकार को भी स्वीकार किया जाना जरूरी है।

आज यदि कोई भारतीय इस अधिकार के संदर्भ में स्वयं को दिमागी नक्सली कहता है, तो उसे देशद्रोही नहीं कहा जा सकता। बेहतर होता प्रधानमंत्री अपने उद्बोधन में 'दिमागी नक्सली' को परिभाषित भी कर देते। यह विशेषण उतना ही भ्रामक है, जितना 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' अथवा 'अर्बन नक्सली'। इस तरह के जुमले चर्चा का विषय तो आसानी से बन जाते हैं, राजनीतिक दृष्टि से कुछ

एनालॉग पनीर को लेकर उपभोक्ताओं में असमंजस

पंकज चतुर्वेदी

देश में एक अजीब विरोधाभास खुलकर सामने आया है। केंद्र सरकार की खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एनालॉग पनीर को कभी गैरकानूनी नहीं ठहराया, बल्कि उसे बनाने और बेचने की छूट दी, बस इतनी शर्त रखी कि पैकेट पर साफ-साफ लिखा हो कि यह असली दूध से नहीं बना है। इसके बावजूद महाराष्ट्र, गुजरात के बाद अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने इस पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी है, जबकि दूसरे सबसे बड़े दूध उत्पादक राज्य राजस्थान में इसके निर्माण और बिक्री पर आज भी कोई रोक नहीं है। यही उलझन अब उपभोक्ताओं से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक की चिंता का विषय बन गई है। एनालॉग पनीर देखने, स्वाद और बनावट में बिल्कुल असली दूध के पनीर जैसा लगता है, लेकिन इसे बनाने में दूध की चर्बी या दूध के प्रोटीन की जगह वनस्पति तेल, स्टार्च, सोया या मटर के प्रोटीन और चिपकाने वाले पदार्थ इस्तेमाल किए जाते हैं। कहीं-कहीं तो सोडा और वनस्पति घी से नकली दूध और फ्रेंच चॉक यानी सेलखड़ी से नकली मावा तक तैयार किया जा रहा है।

इसकी लागत असली पनीर से कहीं कम आती है, इसलिए होटल, ढाबों, रेस्तरां और खानपान के बड़े कारोबार में इसका खुलकर इस्तेमाल हो रहा है। समस्या तब पैदा होती है जब इसे उसी कीमत पर, बिना किसी सूचना के, असली दूध के पनीर के नाम पर बेचा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते आए हैं कि इस तरह के उत्पादों में मिलने वाली औद्योगिक चर्बी हृदय रोग का खतरा बढ़ाती है और इससे शरीर को कोई पोषण संबंधी लाभ नहीं मिलता। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि इस तरह की औद्योगिक चर्बी का कोई ज्ञात स्वास्थ्य लाभ नहीं है। इसके नियमित सेवन से पेट में संक्रमण, अम्लता, यकृत पर बुरा असर और खराब वसा का स्तर बढ़ने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। साथ ही इसमें असली दूध के मुकाबले प्रोटीन और कैल्शियम कम, जबकि सोडियम और शोधित स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे उपभोक्ता कीमत तो दूध के पनीर जितनी चुकाता है, लेकिन पोषण उतना नहीं पाता।

केंद्र सरकार का रुख शुरू से ही सतर्क रहा है। उसने इसे पूरी तरह हानिकारक मानने से इनकार किया है, इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर इसके उत्पादन पर कभी रोक नहीं लगाई गई। महाराष्ट्र की पहल के बाद केंद्रीय प्राधिकरण ने एक परिपत्र जरूर जारी किया, जिसमें होटलों को अपने भोजन-सूची में यह बताना अनिवार्य किया गया कि इस्तेमाल हो रहा पनीर असली है या एनालॉग। लेकिन व्यवहार में यह नियम बाजार में बहुत कम ही लागू होता दिखा, क्योंकि खुले बाजार में बिना किसी सूचना के यह उत्पाद खपता रहा। यही वजह रही कि कई राज्य सरकारों ने केंद्र के नरम रुख से आगे बढ़कर सख्त कदम उठाए। छत्तीसगढ़ में तीस जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री ने एनालॉग पनीर के इस्तेमाल और बिक्री पर सीधी रोक की घोषणा की।

मध्य प्रदेश सरकार ने भी कहा कि सेहत से कोई समझौता नहीं होने दिया जाएगा और राज्य में इसके निर्माण-बिक्री पर पाबंदी लगाई जाएगी, साथ ही प्राकृतिक दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे पहले गुजरात और महाराष्ट्र भी एनालॉग पनीर, चीज और मक्खन के खिलाफ कार्रवाई कर चुके हैं। इन राज्यों का कहना है कि जब तक निर्माण पर ही रोक नहीं लगेगी, तब तक अकेले सूचना अंकन का नियम बेईमान कारोबारियों को धोखाधड़ी से नहीं रोक पाएगा। इसके उलट राजस्थान में तस्वीर बिल्कुल अलग है। देश के कुल दूध उत्पादन में लगभग पंद्रह प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यह दूसरा सबसे बड़ा दूध उत्पादक राज्य है, फिर भी यहां पनीर, मावा, घी जैसे एनालॉग उत्पादों के निर्माण-बिक्री पर अलग से कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। यहां केवल सामान्य मिलावट जांच के दायरे में ही इसकी निगरानी हो रही है। पिछले वर्ष राज्य में हजारों खाद्य नमूनों की जांच हुई और इनमें से बड़ी संख्या में नमूने तय मानकों पर खरे नहीं उतरे, लेकिन इनमें दूध और मावा से जुड़ी मिलावट का अलग ब्योरा सार्वजनिक नहीं किया गया।

दरअसल, एनालॉग पनीर पर अंकन को लेकर बरती जा रही ढिलाई सर्वोच्च न्यायालय की नाराजगी का कारण भी बनी। अदालत ने साफ कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और खासकर बच्चों के स्वास्थ्य से किसी भी सूरत में समझौता नहीं किया जा सकता, और केंद्र सरकार से इस पर जवाब मांगा है। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि कानून की नजर में सही ढंग से सूचित करके बेचा गया एनालॉग पनीर आज भी गैरकानूनी नहीं है, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे प्रतिबंध की बजाय पारदर्शिता के दायरे में रखा है। लेकिन बाजार की हकीकत कुछ और बताती है, जहां यह उत्पाद अक्सर बिना किसी सूचना के, असली दूध के पनीर के भाव पर बेचा जा रहा है। यही अंतर है जिसने कई राज्य सरकारों को केंद्र से आगे बढ़कर सीधी पाबंदी लगाने पर मजबूर किया, जबकि राजस्थान जैसे राज्य अभी भी पुराने ढांचे पर ही भरोसा जताए हुए हैं। उपभोक्ता के लिए फिलहाल सबसे भरोसेमंद तरीका यही बचता है कि खरीदते समय पैकेट पर लिखी सामग्री ध्यान से पढ़ें और किसी जाने-पहचाने विश्वसनीय स्रोत से ही दूध उत्पाद खरीदें।

शरीर की एनर्जी बढ़ाएंगे ये योगासन

बालासन

बालासन एक रिलैक्सिंग योगासन है जो शरीर और दिमाग को आराम देता है। बालासन के अभ्यास के लिए घुटनों के बल बैठकर शरीर को आगे की ओर झुकाएं। फिर माथे को जमीन पर टिकाते हुए हाथों को आगे की ओर फैलाएं। गहरी सांस लें और इस स्थिति में आराम करें। इसके अलावा बालासन कूल्हों, जांघों, और टखनों में मामूली सा खिचाव लाता है। दिमाग़ को शांत करता है और तनाव और हल्के अवसाद से राहत देने में मदद करता है। जब बालासन को सिर और धड़ को सपोर्ट करके किया जाता है, तब यह पीठ और गर्दन में दर्द से छुटकारा दिलाता है। बालासन संपूर्ण शरीर को आराम देता है।

प्राणायाम

प्राणायाम शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने में मदद करता है। रोजाना कुछ मिनट गहरी सांस लेने की प्रक्रिया करने से मन शांत और शरीर ऊर्जावान महसूस कर सकता है। अगर आप थकान से बचना चाहते हैं, तो दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। प्राणायाम करने से ध्यान लगाने में मदद मिलती है। इससे तंत्रिका तंत्र शांत होता है और तनाव का स्तर कम होने लगता है। अगर आप ऑफिस, एग्जाम या किसी दूसरी वजहों से परेशान हैं, तो प्राणायाम करना लाभकारी साबित हो सकता है। रोजाना प्राणायाम करने से मस्तिष्क और तंत्रिकाओं को पर्याप्त ऊर्जा मिलती है, जिससे तनाव धीरे-धीरे कम होने लगता है। ब्लड प्रेशर हाई तब होता है, जब हृदय रक्त को पंप करने के लिए ज्यादा दबाव लगाता है। ऐसे में प्राणायाम करना फायदेमंद हो सकता है।

कई लोगों को जल्दी थकान, सुस्ती और कमजोरी महसूस होने लगती है। दिनभर के कारण शरीर पर ज्यादा असर पड़ता है, जिससे दिनभर एनर्जी कम लग सकती है। ऐसे में अगर आप कुछ आसान योगासन अपने रूटीन में शामिल करें, तो शरीर को ऊर्जा मिल सकती है और थकान कम महसूस हो सकती है। गर्मियों में थकान महसूस होना आम समस्या हो सकती है, लेकिन सही दिनचर्या और नियमित योग के जरिए शरीर को एक्टिव और ऊर्जावान रखा जा सकता है। अगर आप रोजाना कुछ मिनट योग करते हैं और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाते हैं, तो गर्मियों में भी शरीर में एनर्जी और ताजगी बनी रह सकती है। गर्मी के मौसम में थकान महसूस होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। दिनचर्या ठीक न होना भी थकान का कारण हो सकता है। नींद की कमी से भी थकान रहती है। अनियमित खान-पान जैसे कारणों से शरीर जल्दी थक सकता है और सुस्ती महसूस हो सकती है।

सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार कई योगासन का मिश्रण है और इसे करने से शरीर में लचीलापन और ऊर्जा बढ़ सकती है। अगर आप गर्मियों में थकान से बचना चाहते हैं, तो रोजाना हल्की एक्सरसाइज या योग करें। सूर्य नमस्कार के दौरान सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया फेफड़ों को ऑक्सीजन देने में मदद करती है। इससे पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन इम्प्रूव होता है। इससे शरीर और मन को आराम व ताजगी महसूस होती है। सूर्य नमस्कार पाचन अंगों को अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम बनाता है। इससे डाइजेशन सिस्टम बेहतर हो जाता है। आगे की ओर झुकने वाला यह अभ्यास आपकी आंतों को स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

ताड़ासन

ताड़ासन शरीर की स्ट्रेचिंग और संतुलन के लिए अच्छा माना जाता है। यह आसन शरीर को एक्टिव बनाने में मदद कर सकता है। डायबिटीज या मधुमेह की समस्या में ताड़ासन का अभ्यास करने से बहुत फायदा मिलता है। शरीर में किसी भी तरह के दर्द को कम करने के लिए रोजाना ताड़ासन का अभ्यास बहुत फायदेमंद होता है। इसका अभ्यास करने से घुटने, जांघ और पैरों में होने वाले दर्द को कम करने में फायदा मिलता है। इसके अभ्यास के लिए सीधे खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और शरीर ऊपर की ओर स्ट्रेच करें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी में दर्द की समस्या को कम करने के लिए भी ताड़ासन का अभ्यास फायदेमंद होता है।

भुजंगासन

भुजंगासन पीठ और शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा किडनी की पथरी की समस्या में भुजंगासन का अभ्यास बहुत फायदेमंद माना जाता है। इस आसन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं। हाथों के सहारे शरीर को ऊपर उठाएं। कुछ सेकंड तक इसी स्थिति में रहें। अगर आप थकान से बचना चाहते हैं, तो हल्का और हेल्दी भोजन करें।

हंसना मना है

अध्यापक ने एक बच्चे से पूछा: हजार के बाद लाख, फिर करोड़, फिर अरब आता है, अरब के बाद क्या आता है? छात्र ने कहा- सर! अरब के बाद ईरान आता है।

एल के जी के बच्चे को इम्तहान में जीरो मिला। पिता: (गुस्से से) यह क्या है? बच्चा- पापा, मैम के पास स्टार खत्म हो गए तो उन्होंने मुझे मून दे दिया।

टीचर: तुम कहां पैदा हुए? स्टूडेंट: सर, तिरुवनंतपुरम में, टीचर: स्पेलिंग बताओ स्टूडेंट: सर, अब मुझे लगता है, मैं गोवा में पैदा हुआ था।

एक कंजूस सेठ जब मरने को हुआ तो एक रिश्तेदार ने कहा- अब तो आप मर ही रहे हैं, जाते-जाते समाज के लिए कुछ दे जाइए। सेठ: अब जान तो दे रहा हूं , इससे ज्यादा क्या चाहिए समाज को।

संजना तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस का इंटरव्यू देने पहुंची officer - अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप क्या मारोगी? संजना- पति, officer- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं की आप ब्रेक मारोगी?

कहानी | राजधर्म और तपस्या का फर्क

सम्राट भरत, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनके नाम पर हमारे देश का नाम भारत पड़ा, वे बड़े प्रतापी और सुयोग्य शासक थे। राजा भरत शासन करते हुए भी कठोर तपस्या किया करते थे जिससे उनका शरीर दुर्बल हो गया था। एक बार एक किसान उनके पास आया और पूछने लगा, महाराजा आप चक्रवती सम्राट हैं करोड़ो लोगों की रक्षा और निर्वाह की व्यवस्था आपको करना पड़ता है। ऐसी दशा में आप तपस्या कैसे कर पाते हैं? राजा भरत ने तेल से भरा हुआ कटोरा उसके हाथ में दिया और अपने कुछ सिपाही उसके साथ करते हुए कहा कि इस कटोरे को हाथ में लेकर तुम हमारी सेना को देखने जाओ। मेरे सिपाही तुमको सब चीज दिखलाएंगे, लेकिन एक बात का ध्यान रखना कि कटोरे से तेल की एक बूंद भी बाहर गिरना नहीं चाहिए। अगर तेल गिर गया तो तुमको मृत्युदंड दिया जाएगा। सिपाही किसान को सेना दिखाने लेकर गए। वहां पर हजारों हाथी, अनगिनत घोड़े, तरह-तरह के अदभुत अस्त्र-शस्त्र भरे हुए थे। किसान सबको देखता तो रहा, लेकिन उसका ध्यान पूरे समय तेल से भरे कटोरे पर ही रहा कि कहीं उसमें से तेल गिर न जाए। किसान सब जगह घूमकर फिर से महाराज भरत के पास आया तो उन्होंने किसान से पूछा, तुम सेना देख आए हो? अच्छा बताओ तुम्हें क्या अच्छा लगा। उसमें से किस चीज को पाने की इच्छा तुमको हुई? किसान ने कहा कि महाराज मैने देखा तो सब कुछ, लेकिन मेरा ध्यान कहीं नहीं अटका। मेरा ध्यान तो इस कटोरे की तरफ ही लगा हुआ था। यह सुनकर राजा भरत ने कहा कि इसी तरह राज्य कार्य करते हुए मेरा ध्यान मेरी आत्मा में लीन रहता है।

7 अंतर खोजें

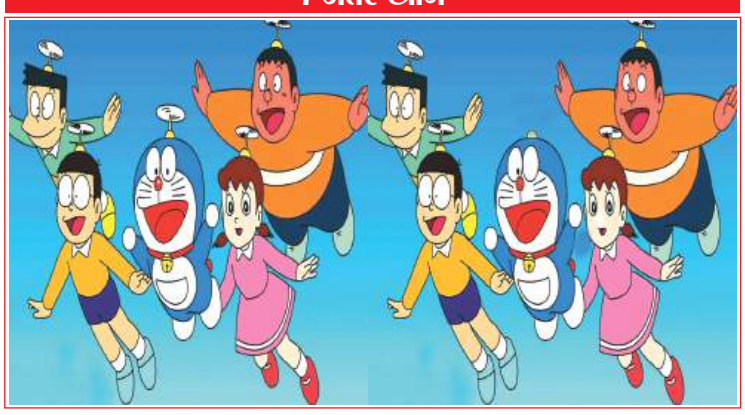

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में सप्ताह की शुरुआत व्यस्तता भरी रहेगी। किसी बड़े सौदे पर हस्ताक्षर करने से पहले नियम व शर्तें ठीक से पढ़ें। पुराने विवादों को उठाने से बचें, तालमेल बिठाएं।

वृषभ

नौकरी में स्थिरता रहेगी और अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। बिजनेस विस्तार की योजना सोच-समझकर बनाएं। प्रेम संबंधों में मधुरता और विश्वास बढ़ेगा।

मिथुन

नए सौदे या क्लाइंट्स मिलने के योग हैं। मीडिया, संचार और मार्केटिंग के जातकों के लिए दिन फलदायी है। स्पष्ट बातचीत से गलतफहमियां दूर होंगी।

कर्क

कार्यस्थल पर किसी के उकसावे में न आएं। व्यावसायिक निवेश से पहले बाजार का रुख समझें। अधिक भावुकता के कारण साथी से अनबन हो सकती है।

सिंह

कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व और आत्मविश्वास बढ़ेगा। नया बिजनेस प्रोजेक्ट शुरू करने की योजना बनेगी। व्यस्तता के कारण पार्टनर की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

कन्या

काम में सटीकता आपको लाभ दिलाएगी। पुराने क्लाइंट्स से नया बिजनेस मिल सकता है। कमियां निकालने के बजाय एक-दूसरे का सहयोग करें।

तुला

टीम वर्क से बड़े लक्ष्य हासिल होंगे। बिजनेस में कागजी दस्तावेज दुरुस्त रखें। लव लाइफ में मिठास रहेगी, साथ घूमने का प्लान बनेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

वृश्चिक

एकाग्रता से कठिन काम भी आसान हो जाएंगे। पुराने व्यावसायिक सौदे लाभदायक सिद्ध होंगे। रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी और एक-दूसरे के प्रति सम्मान बढ़ेगा।

धनु

नए लक्ष्य तय करने और उन पर काम शुरू करने का बेहतरीन दिन है। डिजिटल व ऑनलाइन बिजनेस में तेजी आएगी। पार्टनर के साथ खुशनुमा पल बिताएंगे।

मकर

धैर्य से काम लें, मेहनत का फल अवश्य मिलेगा। पुराने ग्राहकों से व्यापारिक लाभ संभव है। काम की व्यस्तता के बीच पार्टनर के लिए समय जरूर निकालें।

कुम्भ

इनोवेशन से कार्यक्षेत्र में बढ़त मिलेगी। नए ग्राहक मिलने से बिजनेस में तेजी आएगी। साथी के साथ खुलकर अपनी योजनाएं साझा करें, सहयोग मिलेगा।

मीन

आपकी रचनात्मकता की सराहना होगी। नए व्यापारिक संबंध स्थापित होंगे। भावनात्मक रूप से मजबूती महसूस करेंगे, परिवार का पूरा समर्थन मिलेगा।

पहली बार भंसाली और धनुष संग काम करेंगी करीना कपूर खान

बॉलीवुड | मसाला

हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दिग्गज डायरेक्टर संजय लीला भंसाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान के साथ बातचीत कर रहे हैं। संजय ने इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस को अप्रोच किया था जिसमें साउथ सिनेमा के मशहूर एक्टर धनुष लीड रोल में नजर आएंगे। हालांकि तब फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी। लेकिन, अब फिल्म को लेकर तमिल फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर पीएस मिथ्रन ने बड़ा अपडेट शेयर किया है।

निर्माता पीएस मिथ्रन इस फिल्म का डायरेक्शन करने जा रहे हैं और इससे भंसाली बतौर प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं। फिल्म में धनुष की भी एंट्री पहले से ही पक्की है। सारी नजरें अब सिर्फ करीना पर टिकी हुई हैं। इसी बीच मिथ्रन ने अपनी जल्द रिलीज होने वाली फिल्म सरदार 2 के प्रमोशन के दौरान सिनेमा विकटन को दिए इंटरव्यू में करीना को लेकर कहा, बातचीत जारी है। हम डेट्स की पुष्टि पर विचार कर रहे हैं। उम्मीद है, इससे कुछ अच्छा निकलकर सामने आएगा।

इस फिल्म को लेकर अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि बताया जा रहा है कि ये एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी। जो रहस्य, खतरनाक सफ़र और रोमांच से भरी हुई होगी। बॉलीवुड हंगामा की पिछली रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल इसकी कहानी लिखी जा रही है। मेकर्स इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन नवंबर 2026 में शुरू करेंगे। जबकि फिल्म की शूटिंग साल 2027 की शुरुआत में शुरू की जाएगी। मेकर्स फिलहाल करीना के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अगर करीना फिल्म के लिए हां कहती हैं तो ये पहला मौका होगा जब वो धनुष और भंसाली के साथ काम करेंगी। अपने 25 साल के करियर में उन्होंने भंसाली संग कभी काम नहीं किया। इसके पीछे की वजह दोनों का एक पुराना विवाद है।

दरअसल बात ये है कि संजय की साल 2002 की फिल्म देवदास में संजय ने पहले करीना को कास्ट किया था और बाद में उन्होंने ऐश्वर्या को उनकी जगह ले लिया था। करीना को इससे गहरा झटका लगा था। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वो कभी भी भंसाली संग काम नहीं करेंगी।

लापता लेडीज की एक्ट्रेस संग एक्टिंग डेब्यू करेंगे गोविंदा के बेटे यशवर्धन

पिछले काफी समय से गोविंदा और सुनीता आहूजा के बीच अनबन की खबरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। सुनीता कुछ इस तरह के बयान देती हैं जिससे लगता है कि वो गोविंदा के साथ खुश नहीं हैं। वहीं जब गोविंदा से इस बारे में पूछा जाता है तो वो बहुत ही बैलेंस होकर जवाब देते हैं। हालांकि सुनीता की लैंग्वेज पर उन्होंने जरूर सवाल उठाया। अब इस उठा-पटक के बीच फाइनली सुनीता और उनके बेटे यशवर्धन की फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है।

एकता आर कपूर और अमर बुटाला ने अपनी नई फिल्म हीरो की हॉररिन लाने के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म 7 जनवरी, 2027 को रिलीज होगी। ये एक हॉरर कॉमेडी फिल्म होगी जिसके जरिए यशवर्धन बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे।

एक प्रेस रिलीज के अनुसार, इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को साजिद खान ने डायरेक्ट किया है। इसे बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड ने तहत तैयार किया गया है। शोभा कपूर, एकता आर कपूर और अमर बुटाला ने इसे प्रोड्यूस किया है। एकता कपूर ने पहले भी कई हॉरर-कॉमेडी प्रोजेक्ट्स पर काम किया है, जिनमें भूत बंगला भी शामिल है। हीरो की हॉररिन में भी हॉरर और कॉमेडी का भरपूर मिश्रण होने का वादा किया गया है। इस प्रोजेक्ट के साथ उनकी मां सुनीता आहूजा भी एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रही हैं। इसके अलावा लापता लेडीज में अपने रोल के लिए मशहूर एक्ट्रेस नितांशी गोयल, यशवर्धन आहूजा के साथ फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म के अन्य कलाकारों में जेमी लीवर, चंकी पांडे, बृजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा शामिल हैं।

बॉलीवुड | सक्सेस

डीसी की सक्सेस के बाद वामिका गब्बी ने डबल कर दी अपनी फीस

वामिका गब्बी इन दिनों अपने करियर के स्वर्णिम दौर में हैं। बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडियन सिनेमा तक में एक्ट्रेस अच्छा काम कर रही हैं और फैंस के बीच काफी पॉपुलर हो गई हैं। फिलहाल वो फिल्म DC में नजर आ रही हैं और इसकी सक्सेस के बाद एक्ट्रेस ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने इस फिल्म के शानदार प्रदर्शन के बाद न सिर्फ अपनी फीस बढ़ाई है। बल्कि इसे डबल कर दिया है। वामिका गब्बी की फिल्म डीसी हाल ही में आई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। फिल्म आते से ही छा गई और टिकट खिड़की पर सफल रही। इसके बाद अब उन्होंने अपनी फीस में इजाफा कर दिया है। तेलुगु123 की रिपोर्ट की माने तो एक्ट्रेस पहली जितनी फीस लेती थी अब वो अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के लिए उससे डबल चार्ज करेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक 32 साल की एक्ट्रेस वामिका गब्बी अभी तक एक फिल्म के लिए तीन करोड़ रुपये चार्ज करती रही हैं। हालांकि अब वो आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए इससे डबल यानी छह करोड़ रुपये फीस लेंगी। रिपोर्ट्स ये भी हैं कि डीसी की सक्सेस के बाद कई फिल्ममेकर्स ने उन्हें अलग-अलग भाषा की फिल्मों का ऑफर दिया है। बता दें कि जून 2026 में जूम को दिए इंटरव्यू में वामिका ने कहा था, मेल एक्टर और एक्ट्रेस के बीच की फीस का अंतर उन्हें समझ नहीं आता है। एक्ट्रेस को सिर्फ इसलिए कम पैसे मिलते रहे हैं कि वो महिला है। जबकि एक्ट्रेस के बिना फिल्म नहीं बन सकती और लोगों का मानना है कि मेल एक्टर ज्यादा फैंस का ध्यान खींचते हैं। मुझे ये लॉजिक समझ नहीं आता है और जब फिल्म फ्लॉप होती है तो फिर एक्टर्स की फीस पर असर क्यों नहीं पड़ता है? डीसी एक तमिल फिल्म है जो 7 अगस्त को रिलीज हुई थी। इसमें वामिका के साथ लोकश कनगराज नजर आ रहे हैं। ये बतौर एक्टर उनकी पहली फिल्म है।

3.8 करोड़ साल से यहां लिपटे पड़े हैं 4 सांप आज भी जिंदा है नर्क के दानव का श्राप

सोचिए, करीब 3.8 करोड़ साल पहले के चार सांप एक ही जगह दबे रह गए और इतने लंबे वक्त बाद उनके कंकाल वैज्ञानिकों के हाथ लगे। अमेरिका के व्योमिंग में मिले इन दुर्लभ अवशेषों ने सांपों की पुरानी दुनिया को समझने का एक नया रास्ता खोल दिया है। वैज्ञानिकों ने इन अवशेषों की जांच के बाद एक नई प्रजाति Hibernophis breithaupti की पहचान की है। इसके करीब चार लगभग पूरे कंकाल मिले हैं। इनमें से तीन सांप एक साथ, बिल जैसी संरचना में दबे हुए थे, जबकि चौथा सांप उसी चट्टानी परत में थोड़ी अलग जगह से मिला। अब सवाल उठता है कि ये सांप एक साथ वहां पहुंचे कैसे? यही इस खोज को खास बनाता है। ये फॉसिल अमेरिका के Wyoming स्थित White River Formation की चट्टानों से मिले हैं। इनकी उम्र शुरुआती Oligocene काल की बताई गई है, यानी ये 3 करोड़ साल से भी ज्यादा पुराने। भूगर्भीय साक्ष्यों के आधार पर इस क्षेत्र की चट्टानों की न्यूनतम उम्र करीब 32 मिलियन साल आंकी गई है। जीवाश्म जिस बारीक रेतीली मिट्टी वाली चट्टान में मिले, उसके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी छोटी बाढ़ के दौरान जमा हुई होगी। मिट्टी, पानी और ज्वालामुखीय राख से जुड़े इस वातावरण ने सांपों के अवशेषों को असाधारण तरीके से सुरक्षित रखने में मदद की। इस खोज की सबसे खास बात यह है कि तीन सांप एक ही जगह पर साथ-साथ मिले। वैज्ञानिकों को ये तीनों सांप चट्टान के दो ऐसे हिस्सों में मिले, जो आपस में जुड़े हुए थे। यानी ऐसा लग रहा था जैसे ये किसी एक जगह पर साथ मौजूद थे और फिर उसी दौरान मिट्टी और चट्टान के नीचे दब गए। पहली नजर में चट्टान के ऊपर सिर्फ दो सांपों के कंकाल दिखाई दे रहे थे। लेकिन जब वैज्ञानिकों ने इसका ष्टञ्ज स्कैन किया, तो चट्टान के अंदर छिपा तीसरा सांप भी सामने आ गया। वहीं, चौथा सांप इसी इलाके की दूसरी जगह से मिला।

मजेदार बात यह है कि इन सांपों का यह अजीब तरीके से एक साथ मिलना नया नहीं था। वैज्ञानिकों की नजर इन पर करीब 40 साल पहले, 1986 में ही पड़ गई थी। उस समय Brent ॥। Breithaupt और David Duvall ने अनुमान लगाया था कि शायद ये सांप ठंड से बचने के लिए किसी साझा बिल या आश्रय में एक साथ जमा हुए थे। इसे वैज्ञानिक भाषा में हाइबरनेकुलम कहा जाता है।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे सुनसान जगह

यहां न कोई सड़क है, न कोई गांव और न ही लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी

धरती पर ऐसी कई जगहें हैं, जिनके बारे में सुनकर पहली बार यकीन करना मुश्किल हो जाता है। कहीं बर्फ से ढकी चोटियां हैं तो कहीं हजारों किलोमीटर तक फैला रेगिस्तान। लेकिन क्या आपने कभी ऐसी जगह के बारे में सुना है, जहां आपके चारों तरफ सिर्फ समुद्र हो और दूर-दूर तक इंसानों की कोई बस्ती नजर न आए? दक्षिण प्रशांत महासागर में मौजूद पॉइंट नीमो कुछ ऐसी ही जगह है। इसे धरती का सबसे दूर और सुनसान समुद्री इलाका कहा जाता है।

पॉइंट नीमो दक्षिण प्रशांत महासागर के बीच स्थित एक ऐसा स्थान है, जो जमीन के किसी भी बड़े हिस्से से बेहद दूर है। इसके आसपास कई हजार किलोमीटर तक कोई बड़ा शहर या आबादी यानी लोग नहीं रहते हैं। सबसे नजदीकी जमीन भी करीब 2,600 किलोमीटर दूर बताई जाती है। यही वजह है कि पॉइंट नीमो को अक्सर धरती का सबसे सुनसान स्थान कहा जाता है। यहां न कोई सड़क है, न कोई गांव और न ही लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी। समुद्र के बीच मौजूद इस जगह तक पहुंचना भी बिल्कुल भी आसान नहीं है। पॉइंट नीमो की दूरी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यहां से गुजरने वाले जहाजों की संख्या भी बहुत कम रहती है। इसके आसपास कोई बड़ा बंदरगाह नहीं है और न ही यह किसी व्यस्त समुद्री रास्ते के बीच आता है। दूर-दूर तक सिर्फ समुद्र दिखाई देता है। यही अलगाव इस जगह को दुनिया के दूसरे समुद्री इलाकों से खास बनाता है। यहां

इंसानी गतिविधियां इतनी कम हैं कि अगर कोई व्यक्ति इस इलाके में मौजूद हो, तो उसके आसपास लंबे समय तक किसी दूसरे इंसान के आने की संभावना बहुत कम होगी। पॉइंट नीमो की सबसे दिलचस्प पहचान सिर्फ इसका सुनसान होना नहीं है। इस जगह का संबंध अंतरिक्ष अभियानों से भी है। जब पुराने रॉकेट, सैटेलाइट या बड़े अंतरिक्ष यान अपना काम पूरा कर लेते हैं, तो उनके कुछ हिस्से दोबारा धरती के वायुमंडल में प्रवेश कर सकते हैं। ऐसे बड़े अंतरिक्ष उपकरणों के बचे हुए हिस्सों को आबादी से दूर समुद्र में गिराना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। इसी कारण पॉइंट नीमो के आसपास के समुद्री क्षेत्र का इस्तेमाल कई बार अंतरिक्ष यानों के नियंत्रित पुन:प्रवेश के लिए किया गया है। इसी वजह से इसे आम बोलचाल में 'स्पेसक्राफ्ट कब्रिस्तान' भी कहा जाता है।

कल्पना कीजिए कि किसी बड़े अंतरिक्ष यान का मलबा किसी शहर या घनी आबादी वाले इलाके में गिर जाए। इससे लोगों और संपत्ति को नुकसान पहुंचने का खतरा हो सकता है। लेकिन पॉइंट नीमो के आसपास ऐसी आबादी लगभग नहीं है। इसके अलावा, यहां समुद्री यातायात भी बेहद कम है। इसलिए बड़े अंतरिक्ष उपकरणों के नियंत्रित रूप से समुद्र में गिराए जाने के लिए यह क्षेत्र काफी उपयुक्त माना जाता है। हालांकि किसी भी री-एंट्री को सावधानीपूर्वक नियंत्रित और मॉनिटर किया जाता है।

पॉइंट नीमो को सुनसान सुनकर यह मत समझिए कि वहां बिल्कुल कोई जीवन नहीं है। समुद्र का यह हिस्सा पूरी तरह खाली नहीं है। यहां कई तरह के समुद्री जीव मौजूद हैं, लेकिन दूसरे समुद्री इलाकों की तुलना में यहां जैविक गतिविधियां कम पाई जाती हैं। इसका एक कारण यह भी है कि समुद्र की इस जगह पर पोषक तत्वों की उपलब्धता कम है। जब पोषक तत्व कम होंगे तो छोटे समुद्री जीवों की संख्या भी सीमित रहेगी और उसका असर पूरी समुद्री खाद्य श्रृंखला पर दिखाई देगा। फिर भी यह समुद्र का एक सामान्य हिस्सा है और यहां प्राकृतिक समुद्री जीवन मौजूद है। पॉइंट नीमो की एक और खास बात यह है कि समुद्र के बीच इसकी पहचान के लिए जमीन की तरह कोई बोर्ड, खंभा या स्मारक नहीं लगा है। आखिर यह कोई द्वीप या जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि समुद्र में मौजूद एक भौगोलिक बिंदु है। इसकी सही स्थिति नक्शों और भौगोलिक गणनाओं के जरिए तय की जाती है।

हरियाणा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर बवाल

कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर भड़के नेता, भाजपा व सैनी सरकार को घेरा

» कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई और प्राथमिकी वापस लें: रणदीप सिंह सुरजेवाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को काले झंडे दिखाने के आरोप में आठ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और उन पर केस दर्ज किए जाने को लेकर राज्य सियासी पारा चढ़ गया है। पार्टी ने हरियाणा सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त और वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए सभी कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई और प्राथमिकी वापस लेने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कुछ मुद्दों को लेकर गुरुग्राम में काले झंडे लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ मामले दर्ज किये जाने के विरोध में हरियाणा की भाजपा सरकार पर रविवार को निशाना साधा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का काफिला शुक्रवार को गुरुग्राम के एक क्षेत्र से गुजर रहा था कि इसी दौरान पुलिस ने काले झंडे दिखाने वाले कांग्रेस के आठ कार्यकर्ताओं को वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था में बाधा पहुंचाने और सरकारी काम में रुकावट डालने के आरोप में गिरफ्तार किया था। यह प्रदर्शन उस समय किया गया था, जब सैनी जिला जनसंपर्क एवं शिकायत निवारण समिति की बैठक में शामिल होने के बाद, गुरुग्राम विश्वविद्यालय में आयोजित ''जेन-एच स्टार्टअप समिट26'' के तहत एक चौपाल कार्यक्रम में जा रहे थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जाने की निंदा की। उन्होंने कहा, यह नायब सैनी सरकार द्वारा लोकतंत्र और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने के अधिकार पर किया गया एक घातक हमला है। एक ओर, वे प्रश्नपत्र लीक, नौकरी घोटालों, महंगी शिक्षा और सरकारी नौकरियों के पद न भरने के माध्यम से हर दिन 'जेन-जी' को परेशान कर रहे हैं और दूसरी ओर, हमारे युवाओं के साथ खड़े होने वाले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ क्रूर व्यवहार कर रहे हैं।

जनता भाजपा सरकार को माफ नहीं करेगी

सुरजेवाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जनता भाजपा सरकार को माफ नहीं करेगी। दत्त ने कहा कि युवाओं की बात सुनने और उनकी चिंताओं का समाधान करने के बजाय, सरकार ने प्राथमिकी, गिरफ्तारियों और पुलिस दमन का रास्ता चुना है।" उन्होंने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, गिरफ्तार किए गए युवाओं के साथ कथित तौर पर 'थर्ड-डिग्री' का उत्पीड़न किये जाने और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान किए जाने की खबरें बेहद गंभीर और चिंताजनक हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार पाए जाएं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती के साथ खड़ी

शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया : संजय

कांग्रेस के हरियाणा मामलों के प्रभारी संजय दत्त ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गुरुग्राम में स्थानीय और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री सैनी के खिलाफ काले झंडे लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। यह भाजपा सरकार की तानाशाही और लोकतांत्रिक अधिकारों पर उसके हमले का एक और स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया, सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना नागरिकों और विपक्ष का लोकतांत्रिक तथा संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार है। अपनी विफलताओं और जनता की वास्तविक चिंताओं को दूर करने के बजाय, भाजपा सरकार असहमति की आवाज को दबाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है।" गुरुग्राम की घटना का जिक्र करते हुए दत्त ने 'एक्स' पर एक अलग पोस्ट में मांग की कि सैनी सरकार को सभी गिरफ्तार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करना चाहिए, उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेनी चाहिए और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करना बंद करना चाहिए। दत्त ने कहा कि कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, हम हरियाणा के युवाओं की गरिमा, अधिकारों और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी मजबूती से संघर्ष करते रहेंगे।

शिवभक्ति में डूबे श्रद्धालु हर-हर महादेव की गूंज

» नर्मदेश्वर महादेव का भव्य नगर भ्रमण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बड़ा चांद गंज स्थित राम जानकी मंदिर के नर्मदेश्वर महादेव की भव्य पालकी यात्रा नगर भ्रमण के लिए निकली। पालकी यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे मार्ग में 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से माहौल शिवमय हो गया। महादेव की पालकी को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। यात्रा के आगे श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयकारों के साथ चलते रहे। रास्ते में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर पालकी का स्वागत किया और भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। यात्रा के दौरान अघोरी साधु आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। भस्म से खेलते हुए साधुओं ने श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।

उनकी मौजूदगी ने शिवभक्ति और आध्यात्मिक वातावरण को और खास बना दिया। पालकी यात्रा जिन मार्गों से गुजरी, वहां श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। भक्तों ने महादेव के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। आयोजकों के अनुसार, पालकी यात्रा का उद्देश्य भगवान शिव के प्रति आस्था और भक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और वातावरण पूरी तरह शिवमय नजर आया।

धान की फसल के लिए 30 हजार प्रति एकड़ किसान को दें मुआवजा

» अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी ने टीवीके सरकार से की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नीत गठबंधन सरकार से डेल्टा जिलों में अचानक हुई भारी बारिश के कारण जलमग्न हुई धान की फसल के लिए किसानों को तत्काल 30 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने की मांग की। एक बयान में पलानीस्वामी ने कहा कि पिछले दो दिनों में हुई अप्रत्याशित बारिश के कारण तिरुवरूर और नागपट्टिनम समेत कई जिलों में करीब 2,00 एकड़ में कुरुवई धान की फसल पानी में डूब गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन किसानों ने 12 जून को मेट्टूर बांध से पानी न छोड़े जाने के बाद भूजल पर निर्भर रहकर और कर्ज लेकर खेती की थी, वे अब निराश हैं, क्योंकि उनकी कटाई के लिए तैयार फसलें पानी में डूबी हुई हैं। अन्नाद्रमुक प्रमुख ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साधते हुए कहा कि कृषि ऋण पूरी तरह माफ करने समेत चुनावी वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं। उन्होंने मांग की कि राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में भेजकर नुकसान का आकलन किया जाए।

भाजपा नेताओं को बांटी जा रही हैं मुंबई की खुली जगहें : आदित्य ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा के नियंत्रण वाली बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) पार्टी के निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े संस्थानों को खुली जगहें आवंटित कर रही है। आदित्य ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर वह खुली जगहों को वापस हासिल करने के लिए बीएमसी कार्यालय के बाहर धरना देंगे। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य बांद्रा में नेविल डी सूजा फुटबॉल मैदान को सम्मेलन केंद्र में बदलने के बीएमसी के फैसले के विरोध में आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैदान को बचाने के लिए अदालत में कानूनी लड़ाई भी शुरू कर दी गई है। आदित्य ने कहा कि मुंबई की खुली जगहों, खेल मैदानों और मनोरंजन स्थलों को उसी रूप में बनाए रखा जाना चाहिए और उनकी स्थिति में बदलाव नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, मुंबई में बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले चार वर्षों में 15 से अधिक खुले भूखंडों को आवासीय या वाणिज्यिक उपयोग की जमीनों में बदल दिया गया है।

कौशल विकास मिशन के ट्रेनिंग पार्टनर्स ने उठाई अपनी मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत संचालित प्रशिक्षण केंद्रों के ट्रेनिंग पार्टनर्स (टीपी) ने प्रशासनिक उदासिनता, भुगतान में विलंब व तकनीकी विसंगतियों के विरोध में सोमवार को कार्य बहिष्कार किया। इन लोगों की मांग है कि 5सितंबर तक भुगतान किया जाए।

30 सितंबर तक बैचों की मूल्यांकन प्रक्रि या खत्म हो, सभी बैचों में 25 प्रतिशत एडवांस भुगतान प्रक्रिया लागू हो, बैचों 75 प्रतिशम कैंडिडेट की 15 प्रतिशत उपस्थिती पर बिल सबमिट होने के सात कार्यदिवस में भुगतान हो। अटेंडेंस फे स और रेटिना को एलाउ किया जाए। बैच एक्सटेंश टीपी को दिया जाए। डीडी की जगह बीजी पक्रि या 10 सितंबर तक किया जाए साथ ही अन्य मांगे भी है।

सिर्फ 2 दिन में खत्म हुआ मकाय टेस्ट

» 750 गेंदों में ऑस्ट्रेलिया की बांग्लादेश पर बड़ी जीत, स्टार्क ने बरपाया कहर, सीरीज 1-1 से बराबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मकाय। ऑस्ट्रेलिया ने मकाय के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। मुकाबला सिर्फ दो दिन में खत्म हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 210 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की दोनों पारियां क्रमश: 64 और 95 रन पर सिमट गईं। इस मुकाबले में तेज गेंदबाजों का पूरी तरह दबदबा रहा। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क ने मैच में 10 विकेट लिए, जबकि बांग्लादेश के शोरिफुल इस्लाम ने 7/48 का शानदार प्रदर्शन किया। इसी के साथ मकाय टेस्ट में कई बड़े रिकॉर्ड भी बने।

मकाय टेस्ट में कुल 750 गेंदें फेंकी गईं। यह ऑस्ट्रेलिया में गेंदों के लिहाज से दूसरा सबसे छोटा पूरा हुआ टेस्ट मैच है। इससे पहले 1931-32 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सिर्फ 656 गेंदों में खत्म हुआ था। दुनिया में 750 गेंदों का यह मुकाबला सबसे कम गेंदों में पूरे हुए टेस्ट मैचों की सूची में चौथे स्थान पर है। सबसे छोटा टेस्ट 2023-24 में केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच खेला गया था, जो सिर्फ 642 गेंदों में समाप्त हुआ था। टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन ने 67 रन, स्टीव स्मिथ ने 42 रन और नाथन लियोन ने 32 रन बनाए। यह 210 या उससे कम रन बनाकर पारी के अंतर से टेस्ट जीतने वाले सबसे कम स्कोरों में चौथे स्थान पर है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 1945-46 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 199/8 घोषित करके पारी और 103 रन से जीत दर्ज की थी।

शुभमन 3000 टेस्ट रन पूरे करने वाले चौथे सबसे युवा भारतीय

कोलंबो। शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही गिल अब टेस्ट में 3000 रन पूरे करने वाले चौथे सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज हैं। गिल को 3000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए इस मुकाबले से पहले सिर्फ सात रन की जरूरत थी। गॉल में वह इस आंकड़े से चूक गए थे। हालांकि, कोलंबो में गिल ने 23वें ओवर में केशव नुवान्था की गेंद पर बाहरी किनारा लगाकर चौका हासिल किया और अपने 3000 टेस्ट रन पूरे किए। गिल ने यह उपलब्धि 26 साल और 349 दिन की उम्र में हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान और महान ऑलराउंडर कपिल देव को पीछे छोड़ दिया। कपिल देव ने 26 साल 356 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में 3000 रन पूरे किए थे। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम उम्र में 3000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने सिर्फ 23 साल 228 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। वीरेंद्र सहवाग दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 26 साल 157 दिन की उम्र में 3000 टेस्ट रन पूरे किए थे। दिलीप वेंगसरकर 26 साल 263 दिन की उम्र में इस आंकड़े तक पहुंचे थे।

शिक्षा-स्वास्थ्य बदहाल, किसान-मजदूर बेहाल

हर बिरादरी में सत्ता के खिलाफ आक्रोश, गन्ना, पॉपुलर, पेपर लीक, अस्पताल और नफरत की राजनीति बनेगा विस-27 का मुख्य मुद्दा

क्षितिजकांत

बेबाक बोल जनता खोल रही पोल, बेहट विस की ग्राउंड रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर (बेहट)। जनपद सहारनपुर की बेहट विधानसभा में विकास के सरकारी दावे हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। हमारी टीम जब बेहट के गांवों में पहुंची तो हर बिरादरी, हर वर्ग में सरकार के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली। शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई, रोजगार और भाईचारे के मुद्दे पर लोग खुलकर बोल रहे हैं।

मुद्दा : स्कूल-अस्पताल और महंगाई

पठान बिरादरी से ताल्लुक रखने वाले नौशाद खान कहते हैं - स्कूलों में पढ़ाई अच्छी नहीं है, अस्पताल में इलाज अच्छा नहीं है। महंगाई अपने चरम पर है। चीनी का रेट बढ़ गया है, राशन सस्ता होना चाहिए, खाद का दाम कम होना चाहिए, दवाइयां सस्ती होनी चाहिए और फसल का अच्छा दाम मिलना चाहिए। नौशाद आगे कहते हैं कि बेहट में बड़े पैमाने पर पॉपुलर की खेती होती है। अगर विधानसभा में ही पॉपुलर की फैक्ट्री लग जाए तो किसानों को अच्छा दाम मिलेगा और माल आसानी से बिकेगा। उनका आरोप है कि मुसलमानों को लेकर नफरत की पॉलिटिक्स से समाज में काफी नाराजगी है, इसलिए इस बार समाजवादी पार्टी विकल्प के तौर पर दिख रही है।

फैक्ट्री नहीं तो पलायन

तेली बिरादरी से आलिम ने रोजगार को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए एक फैक्ट्री होनी चाहिए ताकि उनकी फसल अच्छे दामों पर बिक सके। किसानों को पॉपुलेट के पेड़ बेचने हरियाणा जाना पड़ता है, वहाँ अच्छा दाम नहीं मिल पाता ओने- पौने दाम पर बेचना पड़ता है। फैक्ट्री ना होने से मजदूरों को काफी समस्या होती है। जो मजदूर किसानों के साथ काम करते हैं, उन्हें काम न मिलने पर हरियाणा-पंजाब जैसे राज्यों में कमाने जाना पड़ता है। यहां कोई नौकरी नहीं है।

पेपर लीक, राम मंदिर में चोरी और अधूरे विकास कार्य

हिंदू गुर्जर समाज से इशांत पोसवाल ने युवा और आस्था के मुद्दे उठाए। इशांत कहते हैं - जंतर-मंतर में हुए छात्र प्रोटेस्ट में हमने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी। पेपर लीक के बाद से आज तक कोई परीक्षा ढंग से नहीं हुई, इसलिए छात्रों में संशय है। राम मंदिर में जो चोरी हुई, उससे हमारी आस्था आहत हुई है। विकास पर उन्होंने कहा - जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकी आज तक अधूरी है। अस्पताल की हालत एकदम खस्ता और खत्म है। सड़कें टूटी हुई हैं, विकास कुछ हुआ ही नहीं है। इसलिए 27 में समाजवादी पार्टी ही विकल्प है।

धर्म के नाम पर जहर के खिलाफ वोट

हिन्दू गुज्जर समाज से आकाश चौधरी ने धर्म की राजनीति पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा मौजूदा सरकार में धर्म को लेकर जो जहर और नफरत चल रही है, मैं उसके खिलाफ हूं। धर्म की जो राजनीति हो रही है, उसके खिलाफ 2027 में वोट करेंगे। मुसलमानों के साथ हो रही नफरत को लेकर हम नाराज हैं। छात्रों के साथ छल हुआ है, रोजगार कहीं है नहीं। आने वाले समय में नौजवान ही इस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेकेंगे।

2027 में ये होगा चुनावी एजेंडा

बेहट में शाकुम्भरी देवी क्षेत्र में बाढ़-कटान, पीने के पानी की किल्लत, जर्जर सड़कें, घंटी उद्योग का बंद होना और बिजली की समस्या पुरानी हैं। अब इसमें नए मुद्दे - महंगाई, खाद-राशन-दवा के दाम, पॉपुलर के लिए फैक्ट्री, पेपर लीक और नफरत की राजनीति भी जुड़ गए हैं। सभी बिरादरियों में एक ही स्वर है - इस बार चुनाव हिंदू-मुस्लिम पर नहीं, बल्कि रोजगार, फसल के दाम और भाईचारे पर होगा।

एक नजर में बेहट विधानसभा

बेहट विधानसभा 403 विधानसभाओं में पहले नंबर पर आती है। यहां से विधायक उमर अली है जो समाजवादी पार्टी से हैं। 1.5 लाख मुस्लिम, 80 हजार गुज्जर, बाकी अन्य.....। सहारनपुर जिले की बेहट विधानसभा सीट (सख्या-1) उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण और राजनीतिक रूप से संवेदनशील सामान्य श्रेणी की विधानसभा सीट है। यह सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है।

2022 में विस के आंकड़ें

बेहट विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक आंकड़े इस प्रकार है। जूदा विधायक- उमर अली खान विजेता पार्टी समाजवादी पार्टी, उपविजेता नरेश सैनी भारतीय जनता पार्टी।

जीत का अंतर- 37880 वोट

पिछले चुनाव परिणाम (22)
उमर अली खान (सपा) : 1,34,513 वोट (48.0 प्रतिशत)
नरेश सैनी (भाजपा): 96,633 वोट (34.48 प्रतिशत)
ईस मलिक (बसपा): 45. 075 वोट (16.8)

पिछले विधायक

2017- नरेश सैनी-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस)
2012-महावीर सिंह राणा बहुजन समाज पार्टी
प्रमुख सामाजिक एवं जातिगत समीकरण।

मुस्लिम मतदाता

इस सीट पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं और इनकी संख्या अच्छी खासी है। अन्य जातिया, दलित (एससी), सैनी, गुर्जर और जाट मतदाताओं का भी इस क्षेत्र के चुनाव परिणामों पर बड़ा प्रभाव रहता है।

क्षेत्रीय विशेषता

यह क्षेत्र ग्रामीण और अर्ध-शहरी मतदाताओं का मिश्रण है, जिसमें शिवालिक पहाड़ियों के तराई इलाके और वन गुर्जर समुदाय के मुद्दे भी स्थानीय राजनीति में अहम हैं।

आईएएस दुर्गाशक्ति नागपाल को कोर्ट ने लगाई फटकार

» इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जज को फोन कर प्रभावित करने के मामले में कमिश्नर पर जताई है नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जमीन विवाद से जुड़े मामले में एक दीवानी जज को देवीपाटन की मंडलायुक्त यानी डिवीजनल कमिश्नर (आईएएस अधिकारी) दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा कथित रूप से प्रभावि करने की कोशिश पर नाराजगी जताई है। मंडलायुक्त करीब तीन दशक पुराने मामले में एक पक्ष हैं और उन्होंने जज को कॉल किया।

कोर्ट ने कहा कि इस तरह की कोशिश न्यायपालिका की आजादी पर हमला है और न्याय देने की प्रक्रिया में बाधा डालती है। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने न्यायिक कार्यवाही से जुड़े मामलों में जजों को धमकी देने या दबाव डालने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले पर आपराधिक अवमानना के मामलों की सुनवाई करने वाली अदालत को विचार करना चाहिए। जस्टिस सैयद कमर हसन रिजवी ने निर्देश दिया कि चीफ जस्टिस या किसी सीनियर जज से निर्देश लेने के बाद मामले को उचित अदालत के सामने रखा जाए। हाई कोर्ट ने कहा कि देवीपाटन की मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल द्वारा दीवानी न्यायाधीश शबीना खान को कथित रूप से फोन किए जाने के आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि किसी लंबित मामले में मुकदमे का कोई पक्ष इस तरह के फोन के जरिए अदालत से संपर्क करे। जस्टिस रिजवी ने शुक्रवार को गोंडा नगरपालिका परिषद के खिलाफ ज्योति विद्या मंदिर स्कूल द्वारा 1997 में दायर नियमित वाद पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। यह मामला जज शबीना खान की अदालत में लंबित है। स्कूल ने मामले को ट्रांसफर करने के लिए आवेदन दायर किया था। विवाद देवीपाटन मंडलायुक्त के नाम दर्ज कई नजूल भूखंड से जुड़ा है। बेंच के सामने रखे गए मंडलायुक्त के पक्ष के मुताबिक, इस जमीन को कार्यालय भवन बनाने और अन्य सरकारी कामों के लिए सुरक्षित रखा गया था।

प्रदर्शनकारियों के साथ आए सीएम विजय

» रद्द कर दिया एयरपोर्ट प्रोजेक्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बड़ा फैसला लेते हुए परंदूर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया है। सीएम ने सोमवार (24 अगस्त) को विधानसभा में इसकी घोषणा की. एयरपोर्ट की परियोजना रद्द करने के बाद सत्तारूढ़ टीवीके और विपक्षी डीएमके के बीच टकराव का नया मुद्दा बन गया है।

मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में बताया कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एआई द्वारा संचालित चेन्नई के मीनमबक्कम हवाई अड्डे की क्षमता फिलहाल सालाना 3 करोड़ (30 मिलियन) यात्रियों को संभालने की है। उन्होंने कहा कि शहर की बढ़ती जरूरतों, औद्योगिक विकास और कार्गो परिवहन (सामान की आवाजाही) को देखते हुए एक नए हवाई अड्डे की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नया हवाई अड्डा ऐसी जगह बनाया जाना चाहिए, जहां कृषि भूमि और आवासीय क्षेत्रों पर कम से कम असर पड़े. उन्होंने बताया कि 20 जनवरी 25 को उन्होंने एकानापुरम और आसपास के गांवों का दौरा किया था तथा परंदूर और 12 पड़ोसी गांवों में प्रस्तावित हवाई अड्डे का विरोध कर रहे लोगों की समस्याओं को सुना था. उन्होंने कहा, मैं परंदूर और आसपास के गांवों में हवाई अड्डा बनाए जाने का विरोध कर रहे लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हूं।

दिल्ली एनसीआर में भारी बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में जमकर बारिश हुई। सोमवार को 11 बजे के आसपास दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद समेत कई इलाकों में बारिश हुई। इसका असर ट्रैफिक पर भी देखने को मिला। कुछ इलाकों में जलभराव का भी मामला सामने आया। बारिश ऐसी हुई कि दिन में ही अंधेरा छा गया।

मौसम विभाग ने सोमवार सुबह ही बारिश का अनुमान जताया था। विभाग ने राजधानी और उससे सटे इलाकों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई थी। वहीं तापमान के संदर्भ में अनुमान जताया गया था कि 34 डिग्री अधिकतम और 28 डिग्री न्यूनतम तापमान रह सकता है।

बारिश शुरू होने के कुछ ही समय के अंदर न्यू अशोक नगर मेट्रो स्टेशन के आसपास पानी भर गया। लोगों को सड़क पार करने और मेट्रो तक पहुंचने में भी परेशान होने लगी। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं। यही हाल दिल्ली के अलग-अलग इलाकों का है। कहीं ट्रैफिक जाम तो कहीं जलमग्न गाड़ियों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

कई जगहों पर थमा ट्रैफिक

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**